415552

4309060

कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	6
3	6	21	4
4	6	22	4
5	3	23	
6	3	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	3		

माध्यम – हिन्दी [ ] अंग्रेजी [✓]

विषय ...Hindi...

परीक्षा का दिन ...Thursday...

दिनांक ...19-02-26...

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 46106

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025

24 Page Copy-2-1-22-Front-Black

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में ''समाप्त'' लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा ''अनुचित साधनों के प्रयोग'' के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

1

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		(खण्ड - अ)
	1.	बहुविकल्पात्मक प्रश्न .....
1	(i)	(ब) अव्यय ।
1	(ii)	(अ) सम् ।
1	(iii)	~~(अ) अजमेर~~ (द) भानपुरा ।
1	(iv)	(अ) खीरि ।
1	(v)	(स) संगमरमर की ।
1	(vi)	(अ) कृष्ण को ।
1	(vii)	(द) जब उसके साथ नजरों का बांकापन जुड़ जाता है।
1	(viii)	(अ) चट्टान जैसा भारी ।
1	(ix)	(स) मछलियों को खिलाने ।
1	(x)	(द) पीसी हुई हल्दी ।
1	(xi)	(अ) सिक्किम ।
1	(xii)	(स) भारत लौटकर ।
12		

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	2.	रिक्त स्थान.....
1	(i)	धः ।
1	(ii)	गुण स्वर संधि ।
1	(iii)	विशेषण ।
1	(iv)	प्रत्यय ।
1	(v)	तीन ।
1/6	(vi)	क्रिया ।
	3.	अपठित गद्यांश....
1	(i)	(ब) मधुर वाणी ।
1	(ii)	(अ) कठिनाइयों का ।
1	(iii)	(अ) सकारात्मक ।
1	(iv)	मधुर वाणी का महत्त्व ।
1	(v)	मधुर वाणी से संबंधों में घनिष्ठता आती है।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1/6	(vi)	वाणी से व्यक्ति के व्यवहार की पहचान होती है।
	4.	अपठित पद्यांश.....
1	(i)	(स) मातृभूमि को।
1	(ii)	(अ) नीलाम्बर।
1	(iii)	(द) प्रेम की।
1	(iv)	मातृभूमि।
1	(v)	कवि ने युग-मुकुट सूर्य चंद्रमा को कहा है।
1/6	(vi)	इस सुन्दर वेश का अभिषेक पयोद अर्थात् बादल करते हैं।
	5.	पठित पद्यांश.....
		वैदिक इतिहास.......... आया है?
1	(i)	फूँककर बजाए जाने वाले वाद्य जिनमें नाड़ी या रीड का प्रयोग किया जाता है, उन्हे 'नय' बोलते हैं।
1	(ii)	शहनाई को 'शाहेनय' अर्थात् 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि दी गई है।

BSER-18/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1/3	(iii)	तानसेन द्वारा रचित बंदिश में शहनाई, मुरली, वंशी, शृंगी एवं मोरचंग आदि का वर्णन आया है।
	6.	पठित पद्यांश.....
		सुनहु राम ---------- भृगुकुलकेतु ॥
1	(i)	शिवधनुष को भगवान श्री राम ने तोड़ा था।
1	(ii)	धनुष तोड़ने वाले को सहस्रबाहु राक्षस के समान बताया गया है।
1/3	(iii)	शिवधनुष को खंडित देखकर परशुराम को क्रोध आया था।
		(खण्ड - ब)
2	7.	लेखिका के पिताजी की सबसे बड़ी दुर्बलता लेखिका की बहन का गोरा रंग था जिस कारण से वह लेखिका और उसकी बहन की तुलना करते थे। साथ ही अपनों पर विश्वास करना थी। जिन्होंने उनको धोखा दिया।
2	8.	जीवन के आरंभिक दिनों में अमीरुद्दीन की संगीत के प्रति आसक्ति दो गायिका बहनें रसूलनबाई और बतूलनबाई के कारण बढ़ी। जब अमीरुद्दीन रियाज के लिए बालाजी मंदिर

BSER-18/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		जाता था तो रास्ते में इनका घर पड़ता था तो वह इन दोनों को सुनकर जाते थे।
2	9.	आग के आविष्कार में मानव कल्याण की प्रेरणा रही होगी जो सहज संस्कृति है। आग का आविष्कार खाना पकाने के लिए, अंधकार दूर करने के लिए, शीत से बचने के लिए तथा जानवरों से रक्षा करने के लिए किया होगा। यह मानव का सर्वश्रेष्ठ आविष्कार है।
	10.	उत्साह कविता में 'निराला' ने बादल का चित्रण निम्न रूपों में किया है:-
2	(i)	जन-जन की प्यास बुझाने वाली शक्ति के रूप में।
	(ii)	धरती की तपन को हर कर शीतलता प्रदान करने वाली कल्याणकारी शक्ति के रूप में।
	(iii)	सृजनात्मकता व नव-जीवन की प्रेरणा देने वाले कवि के रूप में।
	(iv)	क्रांति की ज्वाला जलाने वाले युवा शक्ति के रूप में।
2	11.	~~उत्साह~~ व 'अट नहीं रही है' कविता में कवि 'निराला' ने प्रकृति के विभिन्न संदर्भों के रूप में देखा है। 'निराला जी' कहते है कि वसंत ऋतु के आगमन से पूरा वातावरण भीनी-भीनी खुशबू से

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2		महक कर पूरित हो गया है। पेड़ों में नये-पत्ते आने से वह 'वधू' के समान प्रतीत हो रहे हैं।
2	12	'संगतकार' कविता में कवि ने उन व्यक्तियों का महत्त्व बताया है जो दूसरों की सफलता की पृष्ठभूमि में रहकर अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं। जिस तरह संगतकार मुख्य कलाकार का यश, कीर्ति और मान-समान बढ़ाता है। हमारे समाज में ये महत्त्वपूर्ण हैं।
2	13	'गैंगटॉक' का असली नाम 'गंतोक' है जिसका अर्थ है 'पहाड़'। क्योंकि वहाँ अतीरमणीय स्थल है और अनेक पर्वत चोटियाँ हैं। यहाँ के लोग जीवन-व्यापार के लिए कठिन संघर्ष करते हैं, इसलिए लेखिका ने इसे 'मेहनतकश बादशाहों' का शहर भीकहा है।
2	14	भोलानाथ और उसके साथी अनेक खेल खेलते थे जैसे- घर बनाना, मिठाई की दुकान, शादी करवाना, तमाशा करना, दुकाने लगाना आदि अनेक खेल करते थे और साथ ही दूसरों को परेशान भी करते थे और यह सब सामग्री उन्हें आसानी से मिल जाती थी। इनसे वह स्वस्थ भी रहते हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2	15.	आस्तीन का साँप होना – विश्वासघाती होना। वाक्य प्रयोग – राम ने जिस पर विश्वास किया वहीं आस्तीन का साँप निकला।
		(खण्ड – 'स')
3	16.	हालदार साहब कस्बे से गुजरते तब देखते की कैप्टन चश्मेवाला रोज नेताजी की मूर्ति का चश्मा बदलता है। लेकिन जब कैप्टन की मृत्यु हो जाती है. तो वह सोचता है कि इसका चश्मा कौन बदलेगा? लेकिन जब वह दोबारा कस्बे से गुजरता है तो देखता है कि मूर्ति पर किसी बच्चे ने हाथ से बनाया हुआ सरकंडे का चश्मा लगा दिया है। वह सोचते हैं कि देशभक्ति आज भी लोगों के अन्दर जिंदा है। यह सोचकर हालदार साहब भावुक हो जाते हैं।
3	17.	गोपियों ने उद्धव की योग-साधना को कड़वी ककड़ी इसलिए बताया है क्योंकि वह गोपियों को कृष्ण की भक्ति व उनसे प्रेम करना छोड़कर उन्हे दूर जाने का संदेश देती हैं। कृष्ण मथुरा चले जाने के बाद न तो उनसे मिलने आए और योग-संदेश और भेज दिया। जो कड़वी ककड़ी के समान है। योग संदेश के संदेश ने गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम किया है।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

18. अनुभव मन की बातों को बाहर निकालने पर इतना जोर नहीं देता, जितना अनुभूति देती हैं। आँखों से देखे हुए व महसूस किये जाने वाले को अनुभव कहते है तथा बिना देखी चीज को कल्पना करना व मन में समाहित करना ही अनुभूति है। अनुभूति मन को बेचैन कर देती है, और उस बेचैनी से छुटकारा उसे कागज पर लिखकर ही मिलता है। इसलिए लेखक हिरोशिमा पर कविता जापान में न लिखकर भारत लौटते समय रेलगाड़ी में लिखते हैं। इसलिए अनुभव से गहरी चीज अनुभूति है।

3

19. सूरदास

जन्म - सन् 1478 ई. में दिल्ली के समीप सीही नामक गाँव में तो कुछ लोग रुनकता (मथुरा) में मानते हैं।

मृत्यु - सन् 1583 ई. पारसौली में।

3

काल - भक्तिकाल की सगुण धारा में कृष्णभक्ति शाखा के अग्रणी कवि।

गुरु - वल्लभाचार्य जी।

काव्य कृतियाँ - सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य लहरी।

काव्य रस - वात्सल्य रस व श्रृंगार रस।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

काव्य गुण - माधुर्य गुण ।
भक्ति भाव - सख्य भाव ।

आराध्य देव - श्रीकृष्ण ।
काव्य भाषा - ब्रज भाषा ।

काव्यगत विशेषताएँ- आराध्य देव श्री कृष्ण के लोकरंजक रूप की आराधना, कृष्ण लीलाओं का मनोरमी वर्णन करना आदि ।

(खण्ड - 'द')

20. विद्यार्थी जीवन और अनुशासन ।

(i) प्रस्तावना - विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का उतना ही महत्त्व है जितना पानी का । अर्थात विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का सर्वोपरि स्थान है। विद्यार्थी की बढोत्तरी के लिए अनुशासन बहुत उपयोगी हैं ।

(ii) अनुशासन का अर्थ और परिभाषा - अनुशासन का निर्माण दो शब्दों के योग से हुआ है, 'अनु' व 'शासन'। 'अनु' का अर्थ है व्यवस्थित तरीके से' तथा 'शासन' का अर्थ है 'अनुकरण करना' या पालन करना।' अनुशासन का अर्थ है किसी चीज की व्यवस्थित तरीके से पालन करके उस कार्य को सफल बनाना ।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन – विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की उपयोगिता बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। अनुशासन रहित विद्यार्थी अपने विद्यार्थी जीवन में कभी आदर्श विद्यार्थी नहीं बन सकता हैं। इसलिए अनुशासन की पालना करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। अनुशासन से विद्यार्थी का सर्वांगिण विकास होता हैं। अनुशासन से विद्यार्थी का मानसिक व शारीरिक संतुलन बना रहेगा। जिसके कारण उसका मन सदा प्रसन्न रहेगा और उसका पढ़ाई में भी मन लगा रहेगा।

6

(iv) अनुशासन की उपयोगिता – अनुशासन की उपयोगिता विद्यार्थी जीवन में नहीं बल्कि सभी क्षेत्रो में उतनी ही महत्त्वपूर्ण हैं। अनुशासन मनुष्य का एक ऐसा मित्र है, जिसका पालन करके मनुष्य कभी दुःखी नहीं हो सकता हैं। अनुशासन का पालन करने से मनुष्य के विभिन्न मानसिक रोग दूर हो जाते हैं। वह मानव अपने जीवन में सदा प्रसन्न और प्रफुल्लित रहेगा। अनुशासन विद्यार्थी काल में बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। अनुशासन की वजह से हमें कभी भी कष्ट नहीं होगा और सदैव आनन्द की ही अनुभूति होगी।

(v) उपसंहार – अनुशासन का जीवन में महत्त्वपूर्ण योगदान हैं। यह सुखी जीवन के भवन का निर्माता हैं। हमें अपने काम को अनुशासन से पालन करते हुए कर्तव्यनिष्ठता, कर्मशीलता

BSER-18/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

तथा ईमानदारी से पालन करना चाहिए। अनुशासन हमारे जीवन में सफलता की सीढ़ी है, जिस पर चढ़कर हम सफल हो जाते हैं। इसलिए विद्यार्थी को सदैव अनुशासन का पालन करना चाहिए।

21 प्रार्थना-पत्र।

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय,
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,
राजगढ़।

विषय - शिक्षण शुल्क से मुक्ति प्राप्त करने हेतु।

महोदय,
उपरोक्त विषय पर निवेदन है, कि मैं आपकी विद्यालय में कक्षा-10 का छात्र हूँ। मेरे पिताजी एक गरीब मजदूर हैं। वह प्रतिदिन 300/- रु. अर्जित कर पाते हैं। जिससे केवल घर का गुजारा ही हो पाता है। मेरे पाँच भाई-बहन हैं। मैं पढ़ाई में बहुत अच्छा हूँ। पिछली कक्षा में मैंने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। मैं क्रिकेट भी अच्छा खेलता हूँ। मेरी पढ़ने में रूचि है।

5

अतः आपसे निवेदन है कि मेरी पढ़ने की रूचि को ध्यान में रखकर मुझे शुल्क मुक्ति प्रदान करें। आपकी अति कृपा होगी।

दिनांक - 19/02/26

प्रार्थी
रितेश
कक्षा - 10 'अ'

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	22.	संक्षिप्तीकरण ।
5		प्रत्येक राष्ट्रभक्त को विकट -परिस्थिति होने पर भी अपने देश से प्रेम होता है। राष्ट्र के प्रति उसकी स्वाभाविक ममता होती है। देश- प्रेम का अंकुर पशु - पंछी में भी व्याप्त होता है। मातृभूमि से प्रेम गहरे- दिल से होना चाहिए, बाहरी दिखावा नहीं करना चाहिए। देश के लिए स्वस्व न्यौछावर करने के लिए भी तत्पर रहना चाहिए।
		॥ समाप्त ॥

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025